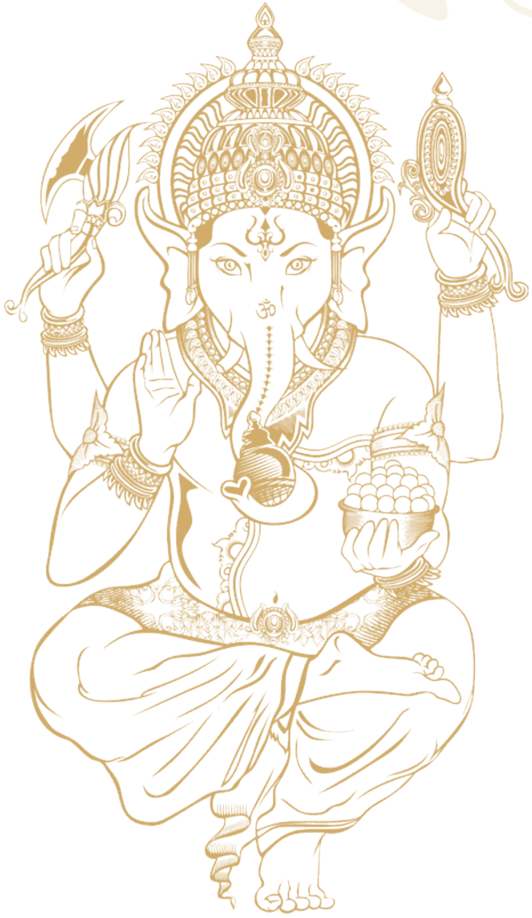

Abhishek

10 Oct 2004

01:10 PM

Sardarshahr

Model: web-freekundliweb

Order No: 121484502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/10/2004**
दिन	रविवार
जन्म समय	**13:10:00 घंटे**
इष्ट	16:39:54 घटी
स्थान	**Sardarshahr**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:30:00 उत्तर
रेखांश	74:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:38:00 घंटे
वेलान्तर	00:13:03 घंटे
साम्पातिक काल	13:55:00 घंटे
सूर्योदय	06:30:02 घंटे
सूर्यास्त	18:07:31 घंटे
दिनमान	11:37:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	23:25:10 कन्या
लग्न के अंश	20:29:25 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुभ
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मू-मुकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	20:29:25	358:49:00	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			कन्या	23:25:10	00:59:20	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	सम राशि
चंद्र			सिंह	06:57:08	12:37:08	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल		अ	कन्या	15:06:36	00:39:03	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
बुध		अ	कन्या	26:44:49	01:41:24	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	स्वराशि
गुरु			कन्या	09:20:31	00:12:47	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	13:46:44	01:10:29	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			कर्क	02:39:04	00:03:08	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	08:17:34	00:02:02	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	08:17:34	00:02:02	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	09:22:34	00:01:30	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप	व		मक	18:44:28	00:00:28	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	26:03:40	00:01:16	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			तुला	06:57:23	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:16

लग्न-चलित

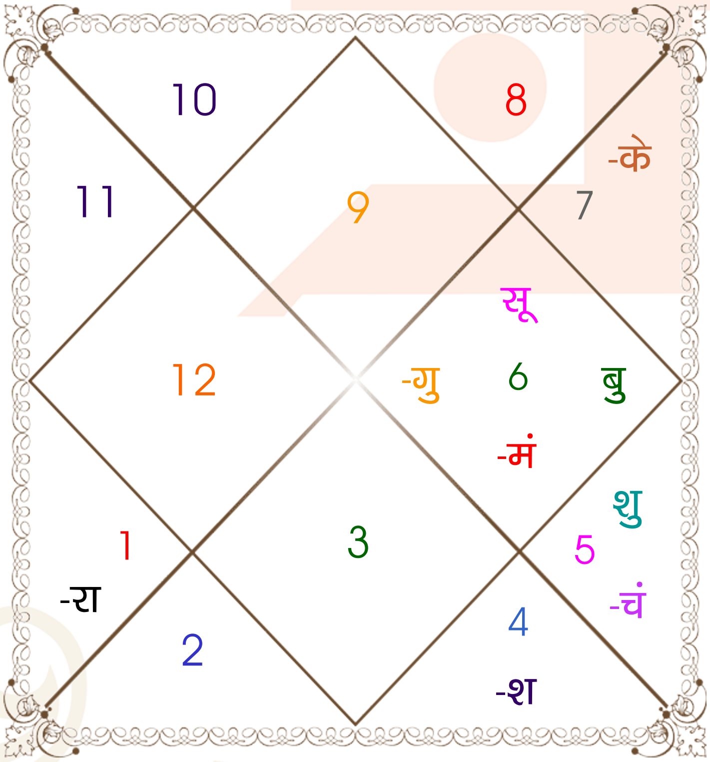

चन्द्र कुंडली

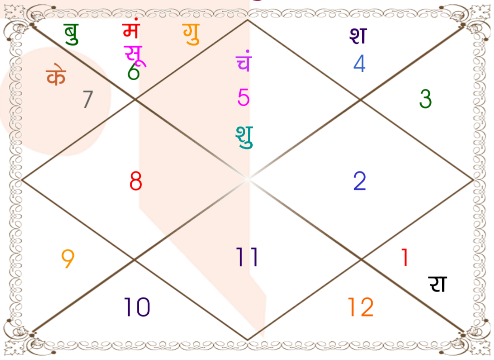

नवमांश कुंडली

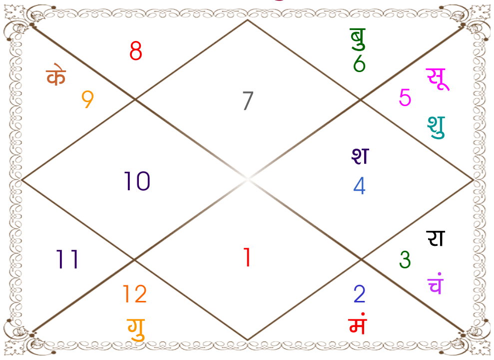

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 4 मास 6 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
10/10/2004	**16/02/2008**	**16/02/2028**	**15/02/2034**	**16/02/2044**
16/02/2008	**16/02/2028**	**15/02/2034**	**16/02/2044**	**15/02/2051**
00/00/0000	शुक्र 17/06/2011	सूर्य 04/06/2028	चंद्र 17/12/2034	मंगल 14/07/2044
00/00/0000	सूर्य 16/06/2012	चंद्र 04/12/2028	मंगल 18/07/2035	राहु 01/08/2045
00/00/0000	चंद्र 15/02/2014	मंगल 11/04/2029	राहु 15/01/2037	गुरु 08/07/2046
00/00/0000	मंगल 17/04/2015	राहु 05/03/2030	गुरु 17/05/2038	शनि 17/08/2047
10/10/2004	राहु 17/04/2018	गुरु 23/12/2030	शनि 17/12/2039	बुध 13/08/2048
राहु 03/02/2005	गुरु 16/12/2020	शनि 05/12/2031	बुध 17/05/2041	केतु 09/01/2049
गुरु 10/01/2006	शनि 16/02/2024	बुध 10/10/2032	केतु 16/12/2041	शुक्र 12/03/2050
शनि 18/02/2007	बुध 17/12/2026	केतु 15/02/2033	शुक्र 17/08/2043	सूर्य 17/07/2050
बुध 16/02/2008	केतु 16/02/2028	शुक्र 15/02/2034	सूर्य 16/02/2044	चंद्र 15/02/2051

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
15/02/2051	**15/02/2069**	**15/02/2085**	**17/02/2104**	**16/02/2121**
15/02/2069	**15/02/2085**	**17/02/2104**	**16/02/2121**	**00/00/0000**
राहु 29/10/2053	गुरु 05/04/2071	शनि 19/02/2088	बुध 15/07/2106	केतु 15/07/2121
गुरु 23/03/2056	शनि 16/10/2073	बुध 29/10/2090	केतु 13/07/2107	शुक्र 14/09/2122
शनि 28/01/2059	बुध 22/01/2076	केतु 08/12/2091	शुक्र 12/05/2110	सूर्य 20/01/2123
बुध 17/08/2061	केतु 28/12/2076	शुक्र 06/02/2095	सूर्य 19/03/2111	चंद्र 21/08/2123
केतु 04/09/2062	शुक्र 29/08/2079	सूर्य 19/01/2096	चंद्र 17/08/2112	मंगल 17/01/2124
शुक्र 04/09/2065	सूर्य 16/06/2080	चंद्र 20/08/2097	मंगल 15/08/2113	राहु 11/10/2124
सूर्य 30/07/2066	चंद्र 16/10/2081	मंगल 28/09/2098	राहु 03/03/2116	00/00/0000
चंद्र 28/01/2068	मंगल 22/09/2082	राहु 05/08/2101	गुरु 09/06/2118	00/00/0000
मंगल 15/02/2069	राहु 15/02/2085	गुरु 17/02/2104	शनि 16/02/2121	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 3 मा 28 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म लग्न के उदय के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका यह जन्म लग्नादिक संयोजन आपके आदर्श जीवन का आधारशिला आनंदपूर्ण पराकाष्ठा का सृजन करता है, जो आपके जीवन के लिए सुखद एवं उन्नति कारक प्रतीत होता है। आप स्वाभाविक रूप से निष्कपट व्यक्ति है। परंतु जन सामान्य के मध्य "जैसे को तैसा" वाले सिद्धांत के अनुयायी हैं। आप विश्वसनीयता पूर्वक निश्चित जीवन व्यतीत करेंगे।

आप प्रायः सदैव ही अपने पक्ष की रूपरेखा तैयार करने में लगे रहते हैं। आप आकर्षक व्यक्तित्व एवं उत्तम स्वास्थ्य के संबंध में सौभाग्यशाली हैं। आप थोड़ी शिक्षा प्राप्त करके भी बैल की सींग जैसी पैनी कार्य क्षमता द्वारा अपनी सफलता हेतु कार्य संपादन करते रहेंगे। आपमें जन्मजात अंतर्ज्ञान एवं शक्ति विद्यमान है। आप अपनी कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु पूर्व ही सभी तथ्यों का अध्यापन कर हर दृष्टिकोण से तत्पर रहते हैं एवं अपनी कार्य योजना पूर्णरूपेन संपन्न करने में सक्षम हो जाते हैं।

आप किसी भी तरह दो प्रकार चाल की विशेषताओं से मुड़ने की प्रवृति रखते हो। पहली बात तो यह है कि आप जूआ के प्रलोभन में फंसकर संतुष्ट होना चाहते हो। परिणाम स्वरूप क्षति उठाना पड़ता है। दूसरी बात यह कि आप धारा प्रवाह बात चीत करते हो। इस कारण मानवीय स्वाभाविक विश्वसनीयता अन्य लोगों की दृष्टि में नष्ट हो जाती है। आप सदैव स्पष्ट रूप से किसी भी बात को जन सामान्य के मध्य प्रकट कर के अन्यों के द्वारा छेड़-खानी के शिकार बनते हो। आप सदैव अपनी पैनी तीक्ष्ण शाब्दिक उच्चारण करके अन्य लोगों की आत्मा पर चोट पहुंचाते हो। इस कारण आप जब कभी अपना मैत्री पूर्ण अधिकार जताना चाहते हो तो तुम्हारे मित्र इस बातों का बहिष्कार करते हैं।

आप वैदेशिक लोगों के प्रति आकर्षित रहते हो। आप सदैव उनसे परिचय एवं संपर्क बढ़ाना चाहते हो एवं उनको अपनी दृष्टि में उच्चतम बनाकर अपना लेना चाहते हो। यदि आप सर्तकता पूर्वक वार्तालाप कर सम्पर्क में ले आएं तो यह संभाव्य है कि आप वैदेशिक भ्रमण कार्य पूरा कर सकते हैं।

आप निःसंदेह एक सुंदर भवन के स्वामी होंगे तथा अपनी प्यारी पत्नी एवं व्यवहार कुशल संतान से सुखी रह सकते हैं। परंतु आपमें बाहर भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है क्योंकि आप खेल-कूद तथा भ्रमण कार्य में व्यस्त रहकर घर से बाहर रहते हैं। अस्तु आप घर-गृहस्थी के लिए सक्षम नहीं हैं। आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल एवं शानदार कार्य, कंपनी लॉ, वैदेशिक लोगों के साथ व्यापार संबंध स्थापित करना, शैक्षणिक कार्य, राजनीति कार्य एवं शैक्षणिक संबंधी कार्य एवं धार्मिक संस्थान के कार्य उत्तम हैं।

यदि आप निम्नांकित निर्देशों को ध्यान में रखकर कार्यों का प्रस्तुतीकरण करें तो बिना किसी भी व्यवधान के सफल हो जाओगे।

आपके लिए अंको में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुकरणीय है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए लाल, मोतिया एवं काले रंग को छोड़ कर शेष सफेद, क्रीम रंग, सूआपंखी रंग, नीला, हरा एवं नारंगी शुभ एवं अनुकूल हैं।